



# NEWSLETTER

शनिवार, 28 जनवरी 2023 | वॉल्यूम - 30

TEXTILE STOCK MARKET UPDATE



**INTERNATIONAL NEWS:**  
Brazil wants to sell cotton to  
Egypt as market opens

**TOP 5  
NEWS  
OF THE  
WEEK**



**GOLD : 56875  
SILVER : 68331  
CRUD OIL : 6505**

यह सही है कि इस सीजन कपास का कारोबार बहुत धीमा है। आवक कमजोर रही लेकिन, उम्मीद थी कि संक्रांति के बाद आवक सुधरेगी और ऐसा हुआ भी है। पिछले 5 दिनों में कपास की आवक में बढ़ोतरी देखने को मिली है। लेकिन इस खबर से जिनर्स में कोई खास खुशी नहीं है क्योंकि उनके पास खरीदार ही नहीं है।

## एक्सपोर्ट बढ़ने से ही मिलेगी कपास कारोबार को गति



**राजू गुप्ता / (काँटन ब्रोकर, औरंगाबाद)**

दरअसल, इंडस्ट्री में बिक्री और खरीदी का तालमेल बिगड़ सा गया है। स्पिनिंग मिल्स की मांग बहुत कमजोर है और वो इसलिए क्योंकि एक्सपोर्ट बहुत कम हो गया है। कुल मिलाकर यह कहना गलत नहीं होगा कि एक्सपोर्ट बढ़ेगा तभी कपास के कारोबार को गति मिलेगी। क्योंकि यार्न की डिमांड बढ़ेगी तो स्पिनर्स जिनर्स से काँटन बेल्स खरीदेंगे। और जब काँटन बेल्स की बिक्री बढ़ेगी तभी जिनर्स बड़ी मात्रा में कपास की खरीदी करेंगे। कपास कारोबार का यह गणित समझाया औरंगाबाद के काँटन ब्रोकर राजू गुप्ता ने। एसआईएस से बातचीत में उन्होंने इंडस्ट्री के मौजूदा हाल पर बातचीत की।

### मांग में भारी कमी

राजू जी ने बताया कि पिछले साल की तुलना में इस साल काँटन की क्वांटिटी और क्वालिटी दोनों में ही सुधार हुआ है। बावजूद इसके हालात पिछले साल की तुलना में और बिगड़ गए हैं क्योंकि मांग में तेजी से कमी आई है। हमारे औरंगाबाद क्षेत्र में स्पिनिंग मिल्स ज्यादा नहीं है। इसलिए ज्यादातर माल हम लोग एक्सपोर्ट ही करते हैं। बांग्लादेश हमारे प्रमुख एक्सपोर्टर देशों में से एक है लेकिन इस साल वहां भी एलसी की समस्या के चलते व्यापार करना मुश्किल है। नतीजा, एक्सपोर्ट में तेजी से गिरावट आई है।

### धीरे-धीरे सुधर रहा है मार्केट

उन्होंने कहा कि एमसीएक्स पर से काँटन का वायदा बाजार बंद करना एक अच्छा कदम साबित हुआ है। हालांकि इसके सही परिणाम कुछ समय बाद ही मालूम हो पाएंगे। लेकिन वर्तमान में वायदा बाजार बंद होने से काँटन के भाव में अचानक से आने वाली भारी तेजी-मंदी पर लगाम लगी है जो व्यापार को सही दिशा में लाने के लिए बेहद जरूरी थी। धीरे-धीरे मार्केट सुधर रहा है और पूरी उम्मीद है कि इस साल के अंत तक सब कुछ सामान्य स्थिति में आ जाएगा।

**केंद्रीय बजट: 'कपास पर से आयात शुल्क हटाएं, और निर्यात पर प्रोत्साहन बढ़ाएं'**



केंद्रीय बजट से कपड़ा व्यापारियों को बहुत उम्मीद है। उद्योग के प्रतिनिधियों का क्या कहना है: "जिस तरह से उद्योग दबाव में है, हम केवल आयात शुल्क में कमी की उम्मीद कर रहे हैं ताकि दरों को और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाया जा सके। कपास हमारी आदिम फसल है, उस पर आयात शुल्क हटा दिया जाना चाहिए ताकि हम अन्य देशों के साथ प्रतिस्पर्धा कर सकें।"

उम्मीद है कि इस बजट से कपड़ा उद्योग को भी फायदा होगा। हालांकि यह सरकार की उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (पीएलआई) का एक हिस्सा है, लेकिन उद्योग कुछ क्षेत्रों पर प्रमुख ध्यान देने की उम्मीद करता है। रिपोर्ट के मुताबिक इंडस्ट्री पर दबाव है। इसके लिए एक महत्वपूर्ण वित्तीय प्रोत्साहन की भी आवश्यकता है। जहां वे इसे और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए आयात शुल्क में कमी चाहते हैं। उनका मानना है कि कपास आदिम फसल होने के कारण आयात शुल्क हटा देना चाहिए। कपड़ा उद्योग को बजट से और क्या उम्मीदें हैं, इस पर हम चर्चा कर रहे हैं।

उद्योग को निर्यात शुल्क पर प्रोत्साहन में वृद्धि की उम्मीद है। निर्यात बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा लागू रोड टेबल गेम का विस्तार किया जाना चाहिए ताकि वे बड़ी मात्रा में निर्यात कर सकें। रिपोर्टों के अनुसार, कपड़ा निर्यात के लिए हमारी सरकार का प्रोत्साहन चीन के प्रोत्साहन से कम है। उद्योग को उम्मीद है कि अगर बजट में इसे ध्यान में रखा जाए तो वे चीन की तुलना में तेजी से विकास कर सकते हैं। वे यह भी उम्मीद करते हैं कि फाइबर और कपास पर कोई शुल्क नहीं लगाया जाना चाहिए, जो कि वस्त्रों की बुनियादी कच्ची सामग्री हैं।

एमसीएक्स (मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड) भारत में स्थित एक कमोडिटी एक्सचेंज है जो कपास सहित विभिन्न वस्तुओं में व्यापार की पेशकश करता है। एमसीएक्स खरीदारों और विक्रेताओं को कपास का व्यापार करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। कपड़ा उद्योग ने एमसीएक्स कपास व्यापार में होने वाले 'व्यापक उतार-चढ़ाव' पर प्रतिक्रिया व्यक्त की। उनके मुताबिक, हाल ही में एमसीएक्स ने कपास में वायदा कारोबार बंद कर दिया है। वे इसे जारी रखना चाहते थे, क्योंकि धागे के वायदा कारोबार में एक दिन में 10-20 रुपये प्रति किलो की तेजी आ जाती थी।

## व्यापार की प्रमुख चुनौतियां

- कपास की आवक गति बहुत धीमी है।
- मिलर्स और जिनर्स दोनों ही डिस्पेरिटी में काम करने को मजबूर हैं।
- अभी भी दूसरे देशों की तुलना में हमारे यहां काँटन के भाव ज्यादा ही है।
- काँटन के भाव की तुलना में यार्न के भाव उतने नहीं बढ़े हैं।



**adani  
wilmar**  
For a healthy growing nation  
Presents

## GLOBAL CASTOR CONFERENCE 2023

24th -25th February 2023  
Hotel Courtyard by Marriott, Ahmedabad  
Gujarat, India.

Theme- Castor Sustainability - A Way Forward



**THE SOLVENT EXTRACTORS'  
ASSOCIATION OF INDIA**  
PREMIER ASSOCIATION OF VEGETABLE OIL  
INDUSTRY AND TRADE IN INDIA  
ISO 9001:2015 Organisation

## जानिए टेक्सटाइल निवेशकों के लिए कैसा रहा ये सप्ताह

### 23 से 28 जनवरी 2023 के मध्य प्रमुख टेक्सटाइल कंपनीज की शेयर वेल्यू पर एक नजर

इस सप्ताह शेयर मार्केट में लगभग सभी सेक्टर में गिरावट दर्ज की गई है। टेक्सटाइल सेक्टर भी इससे छूटा नहीं है। लगभग सभी प्रमुख टेक्सटाइल कंपनीज के शेयर्स का मार्केट केप इस सप्ताह निगेटिव रहा है। आइए जानते हैं बीएससी के मंच पर कैसी रही इन टेक्सटाइल कंपनीज की रिपोर्ट-

कंपनी	करंट प्राइस	हाई प्राइस	लोएस्ट प्राइस	हलचल
वर्धमान टेक्सटाइल लिमिटेड	287.6	313.85	286.1	7.52%
अरविद लिमिटेड	86.45	88.85	83.25	0.52%
वेलसपन इंडिया	68.5	72.45	67.5	4.93%
नितिन स्पिनर्स	202.05	218.05	196	7.30%
रेमण्ड	1475.35	1560	1427.5	2.19%
अक्षिता कॉटन	57	59.85	51.05	0.87%

## जनवरी माह की कॉटन मार्केट की रिपोर्ट

### SMART INFO SERVICES

CALL : 91119 77775

WEEKLY AND MONTHLY CHART 28.01.2023

ICE COTTON						
MONTH	06.01.23	13.01.23	20.01.23	27.01.23	WEEKLY CHANGE	MONTHLY CHANGE
MARCH	85.68	82.29	86.70	86.89	0.19	1.21
MAY	85.65	82.6	87.06	87.45	0.39	1.8
JULY	85.53	82.87	87.22	87.8	0.58	2.27
NCDEX (KAPAS)						
APRIL	1687	1604	1620	1629	9	-58
NCDEX (COCUD KHAL)						
FEB	2996	2894	2870	2875	5	-121
MAR	2950	2812	2812	2809	-3	-141
CURRENCY (\$)						
INDIAN (Rupee)	82.72	81.33	81.13	81.52	0.39	-1.2
PAK (Pakistani Rupee)	228.224	228.768	229.793	262.849	33.056	34.625
CNY (Chinese yuan)	6.83807	6.70556	6.78368	6.78344	-0.00024	-0.05463
BRAZIL (Real)	5.22579	5.069	5.20789	5.10929	-0.0986	-0.1165
AUSTRALIAN Dollar	1.45328	1.43231	1.43628	1.39826	-0.03802	-0.05502
MALAYSIAN RINGGITS	4.40299	4.33506	4.28549	4.24399	-0.0415	-0.159
COTLOOK "A" INDEX	99.5	97.85	99.1	102.4	3.3	2.9
BRAZIL COTTON INDEX	101.77	104.15	102.95	104.27	1.32	2.5
USDA SPOT RATE	84.64	80.9	85.2	84.68	-0.52	0.04
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	17500	20000	20000	20000	0	2500
GOLD (\$)	1870.5	1923.35	1927.70	1928	0.3	57.5
SILVER (\$)	23.98	24.415	24.060	23.725	-0.335	-0.255
CRUDE (\$)	73.73	80.07	81.96	79.38	-2.58	5.65

नए साल का पहला महीना कॉटन कीमतों में थोड़ा स्थायित्व लेकर आया। एक ओर एमसीएक्स पर बैन लग जाने से कीमतों में थोड़ी स्थिरता आई वहीं दूसरी ओर आवक में भी धीरे-धीरे सुधार होने लगा है। कुल मिलाकर देखा जाए तो जनवरी का महीना पिछले कुछ महीनों की तुलना में बेहतर कहा जा सकता है। आइए जानते हैं क्या कहती है इस माह की कॉटन रिपोर्ट-

इंटरनेशनल कॉटन एक्सचेंज पर इस महीने और बीते सप्ताह मार्च, मई और जुलाई तीनों ही महीनों के सौदों की कीमतों में हल्की बढ़ोतरी देखी गई। जबकि एनसीडीएक्स पर कपास कीमतों में गिरावट हुई है। कपास की कीमतों में मासिक स्तर पर 58 रूपए की कमी दर्ज हुई है जबकि साप्ताहिक स्तर पर इसमें 9 रूपए की बढ़त दर्ज की गई है।

अन्य एक्सचेंज मार्केट में भी कॉटन कीमतों का ग्राफ बढ़ा है। कॉटलुक ए इंडेक्स पर 2.9, ब्राजील कॉटन इंडेक्स पर 2.5 और यूएसडीए स्पॉट रेट पर 0.04 अंक की बढ़ोतरी हुई है। केवल पाकिस्तान के केसीए स्पॉट रेट पर ही भाव 2500 अंक नीचे गिरे हैं।

करंसी की बात करें तो इस महीने भी पाकिस्तानी रूपये की वेल्यू खासी गिरी है जबकि अन्य देश डॉलर को अपनी करंसी पर हावी होने से रोकने में सफल हुए हैं।



## बाजार खुलते ही ब्राजील चाहता है मिस्र को कपास बेचना




ब्राजील के किसान दो साल के भीतर आयातित कपास की मिस्र की 20% मांग को पूरा करना चाहते हैं। जनवरी में घोषित समझौते ने निर्यात को मंजूरी दे दी। ब्राजील के किसानों का लक्ष्य अगले दो वर्षों में मिस्र की कपास आयात की 20% मांग को पूरा करना है और 2023 की पहली छमाही में पहले से ही इस हिस्से की तलाश करने का आयोजन कर रहे हैं। लक्ष्य ब्राजीलियाई कपास उत्पादक संघ (ABRAPA) द्वारा निर्धारित किया गया था इस महीने की शुरुआत में ब्राजील के कपास ने मिस्र के बाजार में प्रवेश किया, जब मिस्र और ब्राजील ने एक फाइटोसैनेटिक समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसने ब्राजील के लिए अरब देश को कपास की आपूर्ति करने के लिए नियम निर्धारित किए



मिस्र एक प्रमुख कपास उत्पादक है, लेकिन देश में ज्यादातर लंबे और अतिरिक्त लंबे स्टेपल कपास उगाए जाते हैं, जो एक प्रीमियम उत्पाद है। दूसरी ओर, ब्राजील मध्यम रेशे वाली कपास उगाता है। ABRAPA के अध्यक्ष अलेक्जेंड्रे शेंकेल ने देश के लगभग 20% आयात को पूरा करने की संभावना पर एएनबीए को बताया, "मिस्र प्रति वर्ष लगभग 120,000 टन का आयात करता है, इसलिए हम लगभग 25,000 टन तक पहुंचना चाहते हैं।"

शेंकेल का मानना है कि मिस्र का उद्योग अपने लंबे स्टेपल कपास के साथ मिश्रण बनाने के लिए ब्राजीलियाई मध्यम-फाइबर कपास का उपयोग करेगा, और उनका मानना है कि मिस्र के कपास आयात का 20% तक का हिसाब करना संभव हो सकता है। "यह हम पर निर्भर करेगा कि वे हमारे उत्पाद को पसंद करते हैं।"

ब्राजील दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा कपास निर्यात है, केवल अमेरिका के बाद, और दुनिया का चौथा सबसे बड़ा उत्पादक है। हालांकि, अन्य देशों के विपरीत, ब्राजील के पास ऐसी फसल है जो घरेलू मांग और निर्यात दोनों को पूरा कर सकती है। पिछले दिसंबर, उदाहरण के लिए, देश ने 175,700 टन कपास का निर्यात किया। अगस्त से दिसंबर तक निर्यात 952,100 टन तक पहुंच गया, जो एक साल पहले की तुलना में 14.6% अधिक है।

The Central Organisation For Oil Industry & Trade

आज़ादी का अमृत महोत्सव


Mustard Oil Producers Association of India

R A J A S T H A N

# पधारो म्हारे देश


## 43<sup>rd</sup>

### ALL INDIA RABI SEMINAR ON OIL SEEDS, OIL TRADE & INDUSTRY



11th March, 2023  
**HOTEL CLARKS AMER**  
J.L.N. Marg, Jaipur

12th March, 2023  
**BIRLA AUDITORIUM**  
Statue Circle, Jaipur



Mustard Oil Producers Association of India

<b>BABU LAL DATA</b> President 9829099922	<b>K.K. AGARWAL</b> Secretary 9414023541	<b>PARAS JAIN</b> Treasurer 9610232000	<b>ANIL CHATAR</b> Jt. Secretary 9829015721
---	--	--	---

**Office :** Data Infosys : Durgapura Station Road, Jaipur - 18 Rajasthan (INDIA)  
Fax: +91-141-2554972 • website : [www.info@mopaindia.org](http://www.info@mopaindia.org) • E-mail : [info@mopaindia.org](mailto:info@mopaindia.org)

**Seminar Office :** B-6, Anaj Mandi, Chandpole, Jaipur - 302001  
Mob. : +91 6377714501 • E-mail : [mopa.jaipur@gmail.com](mailto:mopa.jaipur@gmail.com)



# TOP 5

## NEWS OF THE WEEK

- आयात में लगभग 50% की उछाल से भारत के कपड़ा उद्योग को खतरा**  
 आयात में वृद्धि न केवल कच्चे कपास, कपड़े और मानव निर्मित वस्त्रों सहित कच्चे माल की बड़े पैमाने पर खरीद से बल्कि तैयार उत्पादों की खरीद से भी हुई है। चालू वित्त वर्ष के पहले आठ महीनों में परिधान आयात 53% बढ़कर 1.2 बिलियन डॉलर हो गया
- मांग में कमी से परेशान होकर कपड़ा उद्योग ने की ऋण और निर्यात सहायता की मांग**  
 चालू वित्त वर्ष के पहले छह महीनों में भारत में बांग्लादेश से परिधान निर्यात बढ़ा है। पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इन छह महीनों में, भारत को बांग्लादेश का कुल निर्यात देश की कुल निर्यात आय का चार प्रतिशत और पिछले वित्तीय वर्ष की इसी अवधि की तुलना में सात प्रतिशत अधिक था।
- पाकिस्तान की कताई मिलों ने विलंब शुल्क माफ करने की मांग की**  
 बंदरगाह प्राधिकरण और कंटेनर टर्मिनल और शिपिंग कंपनियों कताई मिलों से भारी मात्रा में विलंब शुल्क और कंटेनर अवरोधन शुल्क ले रही हैं। उन शुल्कों की छूट के साथ-साथ आवश्यक कच्चे माल के आयात के लिए बैंकों द्वारा ऋण पत्र जारी करने के लिए उनके हस्तक्षेप की मांग की है।
- जलवायु परिवर्तन का असर : 2050 तक पंजाब में कपास, मक्का की उपज 11 से 13%**  
 अधिकांश फसलों में औसत तापमान में वृद्धि के साथ उत्पादकता घट जाती है। कृषि उत्पादन पर जलवायु परिवर्तन का प्रतिकूल प्रभाव कृषक समुदाय के लिए खाद्य सुरक्षा के खतरे का संकेत देता है एक नए अध्ययन के अनुसार, जलवायु परिवर्तन से 2050 तक पंजाब में मक्का और कपास की उपज में 13% और 11% की कमी आने की भविष्यवाणी की गई है।
- माल भाड़े और कपास की कीमतों में कमी से कपड़ा उद्यमियों को बेहतर स्थिरता की उम्मीद**  
 इंडियन टेक्सप्रेन्योर्स फेडरेशन द्वारा आयोजित एक इंटरैक्टिव सत्र में भाग लेते हुए उद्योग के एक अधिकारी ने कहा कि कपड़ा उद्यमियों ने कपास की कीमतों और माल ढुलाई शुल्क में कमी को ध्यान में रखते हुए क्षेत्र में स्थिरता लाने के लिए प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की है।

### साप्ताहिक कॉटन फिजिकल मार्केट पर एक नजर

एमसीएक्स पर कॉटन के वायदा कारोबार पर रोक लगने का असर फिजिकल कॉटन मार्केट पर भी देखा जा सकता है। इस सप्ताह कॉटन के भाव में स्थिरता देखने को मिली। हालांकि सप्ताहअंत पर भाव में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। लेकिन यह उस बढ़ोतरी की तुलना में बेहद सामान्य है जो एमसीएक्स के वायदा कारोबार के वक्त हो रही थी।

इस सप्ताह नार्थ झोन में कॉटन कीमतों में औसत बढ़ोतरी 50 रूपए प्रति मंड की हुई जबकि सेंटल में गुजरात में 200 व मध्यप्रदेश में 300 रूपए प्रति कैंडी की बढ़त देखी गई। महाराष्ट्र में कॉटन भाव स्थिर रहे।

इसी तरह साउथ झोन में भी कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में सप्ताहअंत पर कॉटन के भाव वहीं रहे जो सप्ताह की शुरुआत में थे। केवल उड़िसा में 200 रूपए प्रति कैंडी की बढ़ोतरी हुई।

STATE		23.01.23		21.01.23		AVERAGE PRICE
STAPLE LENGTH		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
<b>NORTH ZONE</b>						
PUNJAB	28.5	6,175	6,300	6,250	6,350	50
HARYANA	27.5/28	6,150	6,300	6,200	6,350	50
UPER RAJASTHAN	28	6,325	6,470	6,400	6,500	30
<b>CENTRAL ZONE</b>						
GUJARAT	29	61,600	62,000	61,800	62,200	200
MADHYA PRADESH	29	60,800	61,200	61,200	61,500	300
MAHARASHTRA	29 vid.	60,800	61,500	61,000	61,500	0
SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775						
<b>SOUTH ZONE</b>						
ODISHA	29.5+	62,000	62,500	62,600	62,700	200
KARNATAKA	29+	61,500	62,000	61,000	62,000	0
ANDHRA PRADESH	29/29.5 mm	62,000	62,500	62,000	62,500	0
TELANGANA	30 mm 76/77 RD	62,500	62,500	61,800	62,500	0
NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.						
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy						



**SMART INFO SERVICES**

india.smartinfo@gmail.com

Call : 91119 77771 - 5

DATE: 28.01.2023

### WEEKLY COTTON BALES MARKET





# NEWSLETTER

Saturday, 28th January 2023 | VOL. 30



**INTERNATIONAL NEWS:**  
**Brazil wants to sell cotton to Egypt as market opens**

**TOP 5 NEWS OF THE WEEK**



**GOLD : 56875**  
**SILVER : 68331**  
**CRUD OIL : 6505**

*The cotton industry has seen a slow season, with weak arrivals. However, as predicted, arrivals have improved following the Sankranti holiday and have been on the rise over the past 5 days. Despite this increase, ginners are not optimistic as they currently lack buyers for their cotton.*

## The cotton industry will only see growth by expanding its export market



**RAJU GUPTA /** (Cotton Broker, Aurangabad)

The current state of coordination between sales and purchases in the industry is poor. Demand for spinning mills is very low and this is due to a significant decrease in exports. It can be said that the cotton business will only improve if exports increase. When the demand for yarn rises, spinners will purchase cotton bales from ginners. And when the sales of cotton bales increase, ginners will buy cotton in large quantities. Cotton broker Raju Gupta from Aurangabad explained this aspect of the cotton business. He discussed the current situation of the industry in a conversation with SIS.

### Sharp Drop In Demand

Raju Gupta stated that while the cotton this year is of better quality and quantity compared to the previous year, the decrease in demand has caused frustration. He mentioned that there is a shortage of spinning mills in the Aurangabad region, which is why most of the cotton is exported. Bangladesh is a major market for exports but this year, issues with Letters of Credit have made it challenging to conduct business there, leading to a significant decline in exports.

### Market Is Slowly Improving

He stated that the decision to shut down the cotton futures market on the Multi Commodity Exchange has had a positive impact. The full effects of this decision will be seen in the future, but currently, it has helped to stabilize cotton prices and bring stability to the industry. The market is gradually recovering and it is expected that by the end of the year, the situation will return to normal.

**Union Budget: 'Remove import duty on cotton, and increase incentives on exports'**



Industry representatives have expressed that they have high expectations for the Union Budget and are hoping for a reduction in import duty in order to make rates more competitive. They have also stated that they hope to see the import duty on cotton, a primary crop, removed in order to better compete with other countries.

The textile industry is looking to the Union Budget with high hopes, as it is under pressure and in need of significant financial incentives. Industry representatives are calling for a reduction in import duty to make rates more competitive, specifically requesting the removal of import duty on cotton as a primary crop. The budget is also expected to address the Production Linked Incentive (PLI) scheme and focus on certain sectors within the industry.

The textile industry is hoping for an increase in export incentives in the budget. They are seeking expansion of the government's existing initiative to boost exports so they can export larger quantities. Reports indicate that the incentives offered by our government for textile exports are lower than those of China. The industry is optimistic that, with the right support in the budget, they can grow at a faster pace than China. Additionally, they are requesting that no tariffs be imposed on fiber and cotton, which are the fundamental materials used in textile production.

The textile industry has expressed disappointment in the decision by MCX (Multi Commodity Exchange of India Limited) to halt cotton futures trading. They argue that this type of trading allows for fluctuations of up to Rs 10-20 per kg in yarn prices on a daily basis.

## key Business Challenges

- The arrival of cotton is very slow.
- Both millers and ginners are forced to work in disparity.
- Even now the price of cotton is higher here than in other countries.
- Yarn prices have not increased that much as compared to cotton prices.

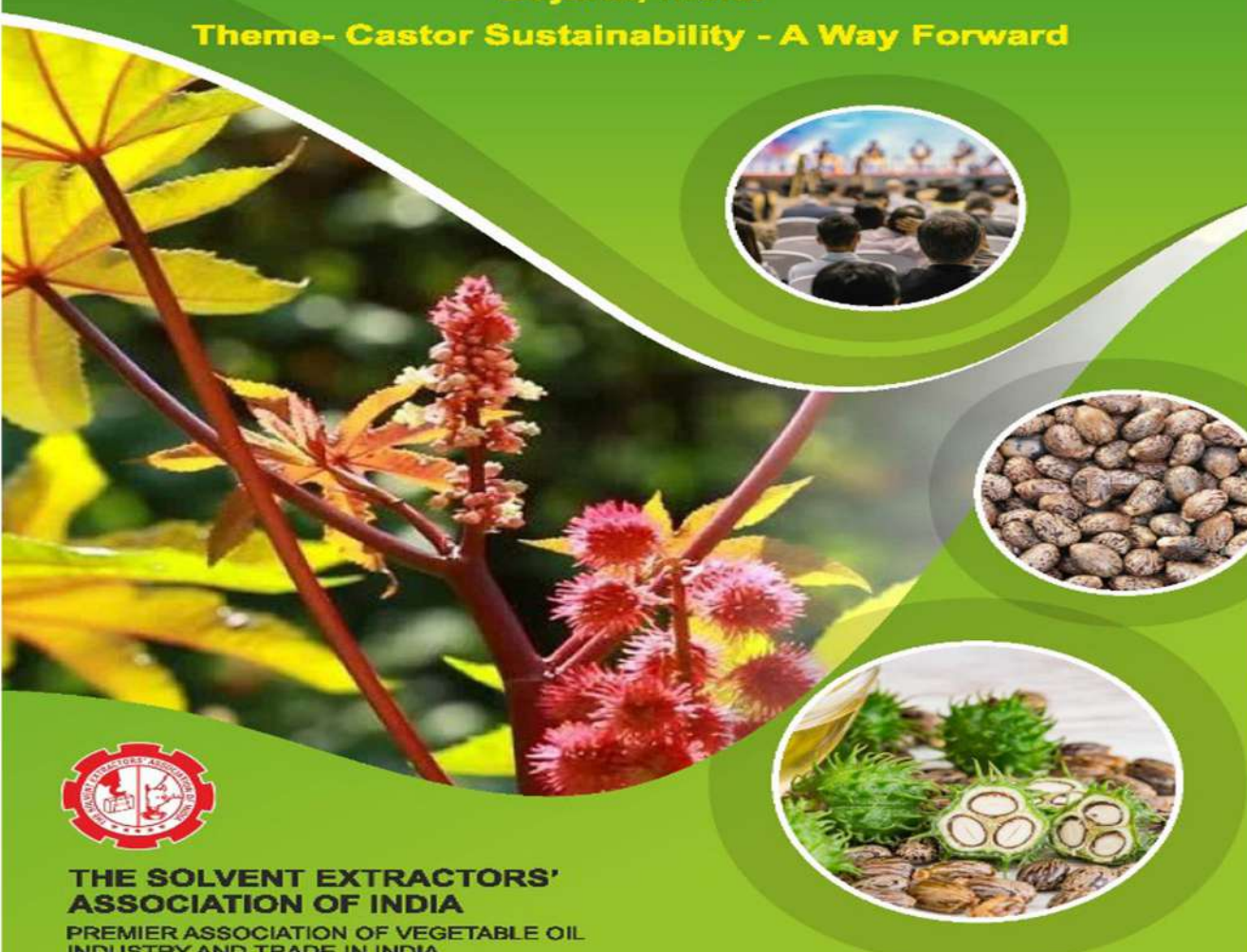


**adani  
wilmar**  
For a healthy growing nation  
Presents

## GLOBAL CASTOR CONFERENCE 2023

24th -25th February 2023  
Hotel Courtyard by Marriott, Ahmedabad  
Gujarat, India.

Theme- Castor Sustainability - A Way Forward



**THE SOLVENT EXTRACTORS'  
ASSOCIATION OF INDIA**  
PREMIER ASSOCIATION OF VEGETABLE OIL  
INDUSTRY AND TRADE IN INDIA  
ISO 9001:2015 Organisation

## Know How was this Week for Textile Investors

### A look at the share value of major textile companies from 23 to 28 January 2023.

This week, almost all the sectors in the stock market have registered a decline. Textile sector is also not spared from this. The market cap of shares of almost all the leading textile companies has been negative this week. Let us know how was the report of these textile companies on the stage of BSC-

COMPNAVY	CURRENT PRICE	HIGH PRICE	LOWEST PRICE	CHANGE
VARDHMAN TEXTILE LTD	287.6	313.85	286.1	7.52%
ARVIND LTD	86.45	88.85	83.25	0.52%
WELSPUN INDIA	68.5	72.45	67.5	4.93%
NITIN SPINNERS	202.05	218.05	196	7.30%
RAYMOND	1475.35	1560	1427.5	2.19%
AXITA COTTON	57	59.85	51.05	0.87%

## Cotton Market Report for the Month of January

### SMART INFO SERVICES

CALL : 91119 77775

WEEKLY AND MONTHLY CHART 28.01.2023

ICE COTTON						
MONTH	06.01.23	13.01.23	20.01.23	27.01.23	WEEKLY CHANGE	MONTHLY CHANGE
MARCH	85.68	82.29	86.70	86.89	0.19	1.21
MAY	85.65	82.6	87.06	87.45	0.39	1.8
JULY	85.53	82.87	87.22	87.8	0.58	2.27
NCDEX (KAPAS)						
APRIL	1687	1604	1620	1629	9	-58
NCDEX (COCUD KHAL)						
FEB	2996	2894	2870	2875	5	-121
MAR	2950	2812	2812	2809	-3	-141
CURRENCY (\$)						
INDIAN (Rupee)	82.72	81.33	81.13	81.52	0.39	-1.2
PAK (Pakistani Rupee)	228.224	228.768	229.793	262.849	33.056	34.625
CNY (Chinese yuan)	6.83807	6.70556	6.78368	6.78344	-0.00024	-0.05463
BRAZIL (Real)	5.22579	5.069	5.20789	5.10929	-0.0986	-0.1165
AUSTRALIAN Dollar	1.45328	1.43231	1.43628	1.39826	-0.03802	-0.05502
MALAYSIAN RINGGITS	4.40299	4.33506	4.28549	4.24399	-0.0415	-0.159
COTLOOK "A" INDEX						
	99.5	97.85	99.1	102.4	3.3	2.9
BRAZIL COTTON INDEX						
	101.77	104.15	102.95	104.27	1.32	2.5
USDA SPOT RATE						
	84.64	80.9	85.2	84.68	-0.52	0.04
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)						
	17500	20000	20000	20000	0	2500
GOLD (\$)						
	1870.5	1923.35	1927.70	1928	0.3	57.5
SILVER (\$)						
	23.98	24.415	24.060	23.725	-0.335	-0.255
CRUDE (\$)						
	73.73	80.07	81.96	79.38	-2.58	5.65

The first month of the new year brought some stability in cotton prices. On the one hand, due to the ban on MCX, there was some stability in the prices, while on the other hand, the arrivals have also started improving gradually. Overall, the month of January can be said to be better than the last few months. Let us know what this month's cotton report says-

On the International Cotton Exchange, this month and last week, there was a slight increase in the prices of deals for all the three months March, May and July. While cotton prices have declined on NCDX. Cotton prices have registered a decrease of Rs. 58 on the monthly level while it has registered an increase of Rs. 9 on the weekly level.

The graph of cotton prices has also increased in other exchange markets. There has been an increase of 2.9 points on the Cotlook A Index, 2.5 points on the Brazil Cotton Index and 0.04 points on the USDA spot rate. Only on Pakistan's KCA spot rate, the price has fallen below 2500 points.

Talking about currency, this month also the value of Pakistani rupee has fallen significantly while other countries have been successful in preventing dollar from dominating their currency.



## Brazil wants to sell cotton to Egypt as soon as the market opens

*Brazilian farmers want to meet 20% of Egypt's demand for imported cotton within two years. The agreement announced in January cleared the export. Brazilian farmers aim to meet 20% of Egypt's cotton import demand over the next two years and are already planning to seek some of this share in the first half of 2023. The target was set by the Brazilian Cotton Growers' Association (ABRAPA). Earlier this month, Brazilian cotton entered the Egyptian market after Egypt and Brazil signed a phytosanitary agreement, which allowed the Arab country to export cotton to Brazil. Set rules for supply.*






Egypt is a major cotton producer, but the country mostly grows long and extra long staple cotton, which is a premium product. On the other hand, Brazil grows medium staple cotton. "Egypt imports about 120,000 tons per year, so we want to reach about 25,000 tons," Alexandre Schenkel, president of ABRAPA, told ANBA on the prospect of meeting the country's roughly 20% of imports.

Schenkel believes that the Egyptian industry will use Brazilian medium-fibre cotton to blend with its long-staple cotton, and believes that it could be possible to account for up to 20% of Egyptian cotton imports.

"It will depend on us that they like our product."

Brazil is the world's second largest cotton exporter, behind only the US, and the world's fourth largest producer. However, unlike other countries, Brazil has a crop that can meet both domestic demand and exports. Last December, for example, the country exported 175,700 tons of cotton. Exports from August to December reached 952,100 tonnes, up 14.6% from a year earlier.

The Central Organisation For  
Oil Industry & Trade

आज़ादी का  
अमृत महोत्सव

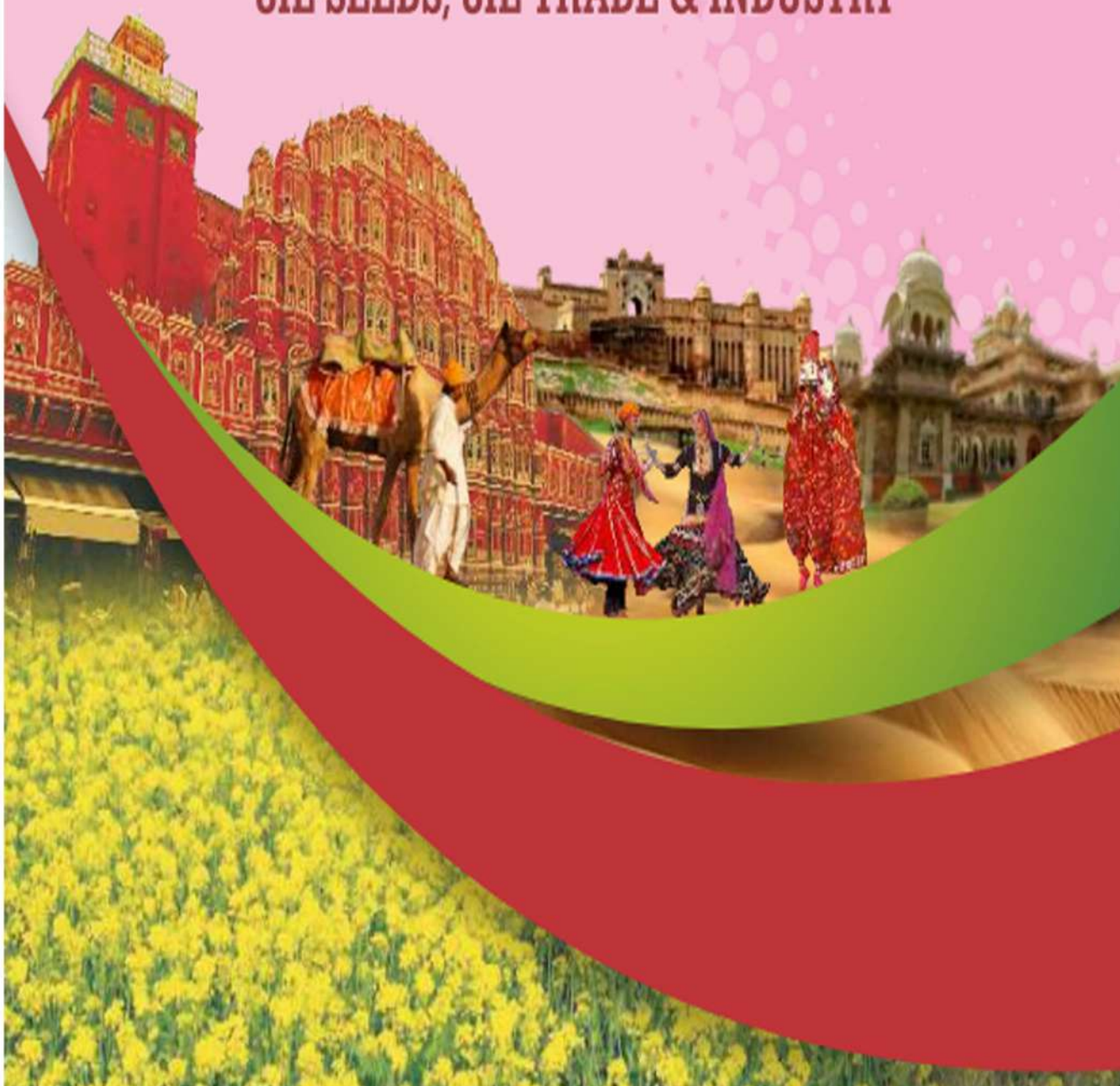
Mustard Oil Producers Association  
of India

R A J A S T H A N

# पधारो म्हारे देश


## 43<sup>rd</sup>

### ALL INDIA RABI SEMINAR ON OIL SEEDS, OIL TRADE & INDUSTRY



11th March, 2023  
**HOTEL CLARKS AMER**  
J.L.N. Marg, Jaipur

12th March, 2023  
**BIRLA AUDITORIUM**  
Statue Circle, Jaipur



Mustard Oil Producers Association of India

### Mustard Oil Producers Association of India

<b>BABU LAL DATA</b> President 9829099922	<b>K.K. AGARWAL</b> Secretary 9414023541	<b>PARAS JAIN</b> Treasurer 9610232000	<b>ANIL CHATAR</b> Jt. Secretary 9829015721
---	--	--	---

**Office :** Data Infosys : Durgapura Station Road, Jaipur - 18 Rajasthan (INDIA)  
**Fax:** +91-141-2554972 • **website :** www.info@mopaindia.org • **E-mail :** info@mopaindia.org

**Seminar Office :** B-6, Anaj Mandi, Chandpole, Jaipur - 302001  
**Mob. :** +91 6377714501 • **E-mail :** mopa.jaipur@gmail.com



# TOP 5

## NEWS OF THE WEEK

### Nearly 50% jump in imports threatens India's textile industry

The increase in imports has been driven not only by large-scale purchases of raw materials, including raw cotton, fabric and man-made garments, but also by purchases of finished products. Apparel imports up 53% to \$1.2 billion in first eight months of current fiscal

### Distressed by the lack of demand, the textile industry demanded loan and export assistance

The textile industry in Tamil Nadu seeks export incentives, interest subvention and additional credit support in the upcoming Union Budget for the financial year 2023-24. 5% interest subsidy on export credit should be given to MSME and non-MSME manufacturers".

### Pakistan's spinning mills demand waiver of late fee

Port authorities and container terminals and shipping companies are charging huge amounts of demurrage and container detention fees from spinning mills. Their intervention has been sought for waiver of those duties as well as issuance of letters of credit by banks for import of essential raw materials

### Impact of climate change: Cotton, maize yield in Punjab to 11 to 13% by 2050

In most crops, productivity decreases with increase in mean temperature. Climate change is predicted to reduce maize and cotton yields by 13% and 11% in Punjab by 2050, according to a new study

### Textile entrepreneurs expect better stability on reduction in freight and cotton prices

Participating in an interactive session organized by the Federation of Indian Textpreneurs, an industry official said textile entrepreneurs discussed key issues to bring stability to the sector keeping in mind the reduction in cotton prices and freight charges

## Weekly Cotton Physical Market

The impact of the ban on cotton futures trading in MCX can be seen on the physical cotton market as well. There was stability in cotton prices this week. However, an increase in the price has been recorded on the weekend. But this is very modest in comparison to the rise that was taking place at the time of MCX futures trading.

During the week, cotton prices in the North Zone saw an average increase of Rs.50 per mund, while in Gujarat and Madhya Pradesh saw an average increase of Rs.200 per candy and Rs.300 per candy respectively. Cotton prices remained stable in Maharashtra.

Similarly, in South Zone also, cotton prices in Karnataka, Andhra Pradesh and Telangana remained the same at the end of the week as they were at the beginning of the week.

Only Odisha saw an increase of Rs 200 per candy.

SMART INFO SERVICES		india.smartinfo@gmail.com		Call : 91119 77771 - 5		DATE: 28.01.2023
<b>WEEKLY COTTON BALES MARKET</b>						
STATE	STAPLE LENGTH	23.01.23		21.01.23		AVERAGE PRICE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
<b>NORTH ZONE</b>						
PUNJAB	28.5	6,175	6,300	6,250	6,350	50
HARYANA	27.5/28	6,150	6,300	6,200	6,350	50
UPER RAJASTHAN	28	6,325	6,470	6,400	6,500	30
<b>CENTRAL ZONE</b>						
GUJARAT	29	61,600	62,000	61,800	62,200	200
MADHYA PRADESH	29	60,800	61,200	61,200	61,500	300
MAHARASHTRA	29 vid.	60,800	61,500	61,000	61,500	0
SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775						
<b>SOUTH ZONE</b>						
ODISHA	29.5+	62,000	62,500	62,600	62,700	200
KARNATAKA	29+	61,500	62,000	61,000	62,000	0
ANDHRA PRADESH	29/29.5 mm	62,000	62,500	62,000	62,500	0
TELANGANA	30 mm 76/77 RD	62,500	62,500	61,800	62,500	0
NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.						
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy						